सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 19 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 19 फरवरी, 2025
मूल्य ₹ 3/-

जो अपना दिमाग नहीं बदल सकते वे कुछ भी नहीं बदल सकते।
-जार्ज बर्नार्ड शा

डब्ल्यूपीएल : मुंबई की गुजरात पर... 7 | कनार्टक में फिर सियासी नाटक... 3 | महाकुंभ में श्रद्धालुओं का अपमान... 2

आधी रात नियुक्ति पर गंभीर सवाल

2 मार्च, 2023 को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को मिलाकर एक चयन समिति बनाने का आदेश दिया था।

ज्ञानेश कुमार की नियुक्ति पर लग सकता है ग्रहण!

» राहुल गांधी ने चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को बताया अपमानजनक

» तेजस्वी यादव ने कहा- आयोग बीजेपी सरकार का चियरलीडर बन गया है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ज्ञानेश कुमार ने 26वें मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला

ज्ञानेश कुमार ने बुधवार को 26वें मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला। सीईसी के रूप में अपने पहले संबोधन में उन्होंने कहा, राष्ट्र निर्माण के लिए पहला कदम मतदान है। उन्होंने कहा इसलिए, भारत के प्रत्येक नागरिक को जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुका है, उसे मतदाता बनना चाहिए और हमेशा मतदान करना चाहिए। भारत के संविधान, चुनावी कानूनों, नियमों और उसमें जारी निर्देशों के अनुसार, भारत का चुनाव आयोग हमेशा मतदाताओं के साथ था, है और रहेगा। वे दो अन्य चुनाव आयुक्तों के साथ चुनाव आयोग का कार्यभार संभालेंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में कार्यभार संभालने के बाद कुमार ने देश के मतदाताओं को संदेश दिया। अपने संदेश में मुख्य चुनाव आयुक्त

» कहा- चुनाव आयोग मतदाताओं के साथ था, है और रहेगा

कुमार ने कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए पहला कदम मतदान है और भारत का हर नागरिक जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुका है, उसे मतदाता बनना चाहिए और हमेशा मतदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान, चुनावी कानूनों, नियमों और उसमें जारी निर्देशों के अनुसार चुनाव आयोग मतदाताओं के साथ था, है और हमेशा रहेगा, भारत का चुनाव आयोग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली समिति ने कुमार के नाम की सिफारिश की और राष्ट्रपति के आदेश के बाद 17 फरवरी को उन्हें नया मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया। वे चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के नए कानून के तहत नियुक्त होने वाले पहले मुख्य चुनाव आयुक्त हैं। उन्होंने राजीव कुमार का स्थान लिया है। राजीव कुमार के कार्यकाल के दौरान ज्ञानेश पहले से ही चुनाव आयुक्त थे।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ज्ञानेश कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त बनाये जाने के निर्णय से विपक्ष आग बबूला हो गया है। राहुल गांधी ने इसे अपमानजनक और अशिष्ट बताया है। तेजस्वी यादव और उमर अबदुल्ला ने भी इस नियुक्ति पर सवाल उठाये हैं। चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर बढ़ती राजनीतिक बमचक को सुप्रीम कोर्ट ने स्वत-संज्ञान लेते हुए आज इस पर सुनवाई करने का फैसला लिया है। गौरतलब है कि 2 मार्च, 2023 को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को मिलाकर एक चयन समिति बनाने का आदेश दिया था।

हालांकि, बाद में सरकार ने अगस्त 2023 में कानून पारित किया, जिसमें समिति का पुनर्गठन किया गया जिसमें सीजेआई की जगह प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्ति केंद्रीय कैबिनेट मंत्री को शामिल किया गया। आज सुप्रीम कोर्ट में 2023 में बने कानून के तहत ही सुनवाई होनी है। ऐसे में इस बात की संभावना बढ़ गयी है कि ज्ञानेश कुमार की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट ग्रहण लगा सकती है! सरकार ने अपने बनाये कानून के हिसाब से मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति कर दी है। जबकि राहुल गांधी ने बाकायदा नोट लिख कर वर्ष 2023 में आये सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के तहत चुनाव आयुक्त की नियुक्ति करने का निवेदन किया था। उन्होंने नोट लिखकर गृहमंत्री अमित शाह को भी दिया था। लेकिन उनके नोट लिखने के दो घंटे के भीतर ही सरकार ने चुनाव आयुक्त की नियुक्ति कर दी। राहुल गांधी ने इसे अपमानजनक बताया है।

तेजस्वी आये समर्थन में

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने भी नियुक्ति की निंदा करते हुए कहा है कि चुनाव आयोग पर लोगों का भरोसा धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। आयोग भाजपा सरकार का चीयरलीडर बन गया है। यह जनता के लिए कैंसर बनता जा रहा है।

उमर ने भी राहुल की हां में हां मिलाई

राहुल गांधी का समर्थन करते हुए जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने असहमति के अपने अधिकार का बचाव किया। अब्दुल्ला ने दिल्ली में संवाददाताओं से कहा कि विपक्ष के नेता के रूप में उन्हें असहमति जताने का पूरा अधिकार है। वह सिर्फ सरकारी फैसलों पर मुहर लगाने के लिए नहीं हैं। असहमति एक मौलिक अधिकार है और राहुल गांधी ने इसका प्रयोग किया।

बीजेपी ने जारी की लिस्ट

भाजपा ने राहुल गांधी की असहमति पर पलटवार करते हुए कांग्रेस पर राजनीतिक लाभ के लिए ऐतिहासिक रूप से पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा है कि आज्ञाकारी उम्मीदवारों को नियुक्त करने और मौजूदा लोगों को इनाम के तौर पर राजनीतिक नियुक्तियां देने के उनके रिकॉर्ड को देखते हुए, कांग्रेस और गांधी परिवार को मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर उपदेश देने वाले आखिरी व्यक्ति होने चाहिए। मालवीय ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों की एक सूची साझा की, जिन्हें कथित तौर पर कांग्रेस शासन के दौरान राजनीतिक पुरस्कार मिले थे। इस सूची में केवीके सुंदरम, विधि आयोग के अध्यक्ष नियुक्त, नागेंद्र सिंह, पद्म विभूषण से सम्मानित, आरके त्रिवेदी, पद्म भूषण प्राप्त, बाद में राज्यपाल बने, वीएस रामदेवी, राज्यपाल नियुक्त, टीएन शेषन, 1996 में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े, एमएस गिल, यूपीए सरकार में मंत्री बने, जेएम लिंगदोह, कांग्रेस में शामिल हुए व एन गोपालस्वामी, पद्म भूषण से सम्मानित।

चुनाव आयोग की स्वायत्तता को खत्म कर रही सरकार : सिंघवी

कांग्रेस ने सीईसी और चुनाव आयुक्तों की संशोधित नियुक्ति प्रक्रिया पर सवाल उठाने वाली याचिका की समीक्षा करने तक चयन में देरी की मांग की है। कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने चयन समिति में भारत के मुख्य न्यायाधीश की अनुपस्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार का इरादा चुनाव आयोग की स्वायत्तता को बनाए रखने के बजाय उस पर प्रभाव डालना है।

सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान

सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए 2023 के कानून के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों को चुनौती देने वाली याचिकाओं के संबंध में आज प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई निर्धारित की है।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं का अपमान कर रही भाजपा सरकार : अखिलेश

» बोले- डबल इंजन सरकार के भ्रष्टाचार ने प्रदेश को बहुत पीछे कर दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी का बजट सत्र शुरू हो गया है। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ को लेकर सपा व भाजपा में सदन से लेकर सड़क तक पर हंगामा मचा हुआ है। सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार व सीएम योगी पर जमकर हमला बोला है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राज्य विधानमंडल में राज्यपाल के अभिभाषण को सच्चाई से कोसों दूर बताया है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल का अभिभाषण निराशाजनक है। इसमें जनसामान्य की आकांक्षाओं की पूरी तरह से उपेक्षा की गई है।

वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि हार की हताशा से परेशान विपक्ष अपनी खुन्नस को सदन पर नहीं उतारेगा, बल्कि सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करने में सकारात्मक योगदान देगा। अखिलेश ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि महाकुंभ में घोर अव्यवस्था को दिव्य-भव्य व्यवस्था का नाम देकर उन तमाम श्रद्धालुओं और उनके परिजनों का अपमान किया गया है जिनकी जानें सरकारी कुव्यवस्था ने ले ली है। सरकार की विफलता से जो घायल हुए, वे इलाज के लिए तड़प रहे हैं। सरकार ने महाकुंभ में आने वालों की करोड़ों की संख्या तो बता दी, पर अब तक मृतकों की संख्या व पता नहीं बताया है। आज भी महाकुंभ में तमाम लोग अपनों को खोज रहे हैं। यह सरकारी संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

सपा कार्यकर्ताओं ने फूंका मंत्री संजय निषाद का पुतला

निषाद पार्टी के प्रदेश सचिव धर्मात्मा निषाद की आत्महत्या से नाराज सपा कार्यकर्ताओं ने निषाद पार्टी के अध्यक्ष व सरकार में मंत्री संजय निषाद का पुतला फूंककर प्रदर्शन किया। यहां नारेबाजी कर उन्हें जेल भेजने की मांग की। आरोप है कि मंत्री व उनके बेटों के उत्पीड़न से परेशान होकर धर्मात्मा निषाद ने आत्महत्या की है। प्रदर्शनकारियों व पुलिस के बीच धक्कामुक्की भी हुई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बलपूर्वक बस में बैठाकर हिरासत में ले लिया। समाजवादी छात्र सभा के राज साहनी, लखनऊ विवि के छात्र अजीत सिंह, गाजीपुर से पूर्व विधानसभा प्रत्याशी ओम प्रकाश सिंह ने धर्मात्मा निषाद की मौत के लिए संजय निषाद और उनके परिवार वालों को जिम्मेदार ठहराया। कहा, धर्मात्मा निषाद ने फेसबुक पर लिखा था कि हमें बहुत बुरी तरीके से प्रताड़ित किया गया। संजय निषाद, प्रवीण निषाद व इंजीनियर श्रवण निषाद ने हमारा शोषण किया।

व्यापारी और उद्यमी पलायन कर रहे

सपा अध्यक्ष ने कहा कि अभिभाषण में किसानों और नौजवानों के लिए कुछ भी नहीं है। पढ़े-लिखे नौजवान नौकरी के लिए भटक रहे हैं। निवेश के नाम पर सिर्फ आंकड़ेबाजी है। नए उद्योग नहीं लग रहे हैं, पुराने उद्योग बंद होते जा रहे हैं। व्यापारी और उद्यमी पलायन कर रहे हैं। गन्ना का मूल्य तो बढ़ाया नहीं गया। किसानों का बकाया गन्ना मूल्य भी छिपाया जा रहा है। किसानों की फसल को एमएसपी दरों में खरीद पर चुप्पी साध ली गई है। बिजली महंगी है। भाजपा सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कोई काम नहीं किया। भाजपा की डबल इंजन सरकार के भ्रष्टाचार ने प्रदेश को बहुत पीछे कर दिया है।

बसपाइयों ने उदित राज के खिलाफ भरी हुंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती पर अभद्र टिप्पणी करने के विरोध में बसपा समर्थकों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस नेता डॉ उदित राज के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने और गिरफ्तार करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों अपनी मांग से संबंधित ज्ञापन राज्यपाल को प्रेषित किया। बसपा अध्यक्ष मायावती का अपमान किए जाने के विरोध में युवा साथी टीम के बैनर तले हजरतगंज चौराहे पर एकत्र हुए बसपा समर्थकों ने कांग्रेस नेता उदित राज के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शनकारियों ने उदितराज पर मायावती को धमकी देने और उनके खिलाफ अपशब्द कहे जाने का आरोप लगाया। प्रदर्शन में शामिल डॉ अनूप अंबेडकर ने कहा कि मायावती बहुजन समाज की सर्वमान्य नेता ही नहीं, बल्कि इस देश के करोड़ों मजलूमों, कमजोरों और शोषितों के लिए मसीहा स्वरूप हैं। वो भारतीय राजनीति की सम्मानित शख्सियत हैं। उन्होंने कहा कि मायावती प्रदेश की चार बार मुख्यमंत्री रहने के साथ विधानसभा, राज्यसभा और लोकसभा को भी अपनी उपस्थिति से सुशोभित करती रहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता उदित राज ने सोमवार को एक इंटरव्यू के दौरान मायावती को अति निंदनीय भाषा में धमकी देते हुए कहा था कि मायावती का गला घोंटने का वक्त आ गया है। उन्होंने उदितराज के बयान को बहुजन समाज और मायावती का अपमान करार दिया। कहा कि इससे बहुजन समाज में रोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि उदित राज पहले भी कई इंटरव्यू और सार्वजनिक भाषणों में भी बहुजन समाज और बहुजन समाज पार्टी का अपमान करते रहे है। उन्होंने राज्यपाल से कांग्रेस नेता उदित राज के ऊपर सख्त कानूनी कार्रवाई करने और उनको जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। इस मौके पर रेखा आर्य मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

महाकुंभ में हुई भगदड़ का मामला पहुंचा हाईकोर्ट

» जनहित याचिका की गयी है दायर

» सुप्रीम कोर्ट के जज ने भगदड़ को बताया था दुर्भाग्यपूर्ण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। महाकुंभ-2025 के दौरान हुई भगदड़ को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट मेंजनहित याचि आज कोर्ट एक जनहित याचिका पर सुनवाई करेगी। इस याचिका को इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में दायर किया गया था जिसे सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए इंकार कर दिया था और याचिकाकर्ता को इलाहाबाद हाई कोर्ट जाने के निर्देश दिए थे।

चीफ जस्टिस ने भगदड़ की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि इस मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट में याचिका पेंडिंग है। इसलिए याचिकाकर्ता वहां अपनी बात रख सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करने वाले याचिकाकर्ता ने इस घटना के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी।

जनहित याचिका में भगदड़ में कई लोगों की मौत और घायल होने के मामले में न्यायिक निगरानी समिति गठित करने की भी मांग की गई है। बता दें कि 13 जनवरी से प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन किया गया है। दूसरे अमृत स्नान यानी मौनी अमावस्या पर करोड़ों श्रद्धालु प्रयागराज पहुंचे थे। यहां भगदड़ तब हुई, जब श्रद्धालु संगम तट की ओर बढ़ रहे थे।इस घटना में 30 लोगों की मौत की आधिकारिक पुष्टि की गई थी जबकि 90 से ज्यादा घायल हुए थे। राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये का मुआवजा देने का ऐलान किया।

एक महीने में देनी है रिपोर्ट

इस हादसे की जांच के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन किया, जिसमें इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति हर्ष कुमार की अध्यक्षता वाले आयोग में सेवानिवृत्त आईएएस डीके. सिंह और सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी वीके. गुप्ता भी शामिल हैं। आयोग को एक महीने के अंदर मामले की जांच रिपोर्ट देनी है।

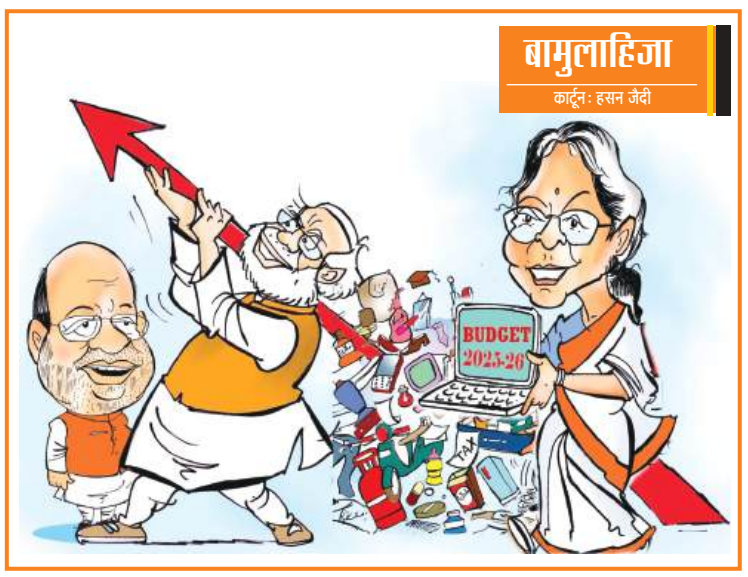

कुंभ हादसे के शिकार लोगों के आंकड़े कब जारी करेगी सरकार : पल्लवी पटेल

» अपना दल (कमेरावादी) ने योगी सरकार से पूछा सवाल

» सिर्फ स्नान करने वालों की ही संख्या बता रही है प्रदेश सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपना दल (कमेरावादी) की विधायक पल्लवी पटेल ने यूपी सरकार के बजट सत्र के दौरान योगी सरकार पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा है कि सरकार ने महाकुंभ में प्रबंधन के नाम पर मानवीय संवेदनाओं के साथ खिलवाड़ किया है और इसका पाप स्वयं मां गंगा भी नहीं धुल पाएंगी।

पल्लवी पटेल ने कहा कि आज जिस कालखंड में बजट सत्र की शुरुआत हुई है उससे अच्छा वक्त नहीं हो सकता। देश का सबसे बड़ा राजनीतिक सूबा उत्तर प्रदेश है। यहां पर महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। ऐसे में महाकुंभ

के दौरान बजट सत्र की शुरुआत अपने आप में आशीर्वाद प्राप्त करके होती है। विधायक ने तंज कसते हुए आगे कहा कि महाकुंभ में देश-विदेश से लाखों-करोड़ों श्रद्धालु आ रहे हैं। उनकी तरफ से मैं सरकार से एक सवाल पूछती हूं। सरकार ने अपनी शाही दूरबीन से महाकुंभ में आने वाले 40 से 45 करोड़ श्रद्धालुओं का आंकड़ा पेश कर दिया, लेकिन वहीं जिन्होंने हादसे में अपने परिवार वालों को खोया है, उनके आंकड़े क्यों नहीं जारी किए गए?

हवा-हवाई बातों में व्यस्त है सरकार

उन्होंने कहा सरकार हवा-हवाई बातें करने में बहुत सही है, लेकिन जहां पर सटीक व्यवस्था और मानव जाति की संवेदना और भावनाओं की बात आती है, वहां पर वह शून्य है। बार-बार वह इस बात को साबित भी करते आ रहे हैं। सरकार और सरकार को चलाने वाले लोगों ने प्रबंधन के नाम पर मानवीय संवेदनाओं और भावनाओं के साथ जो खिलवाड़ और पाप किया है इस बार वह पाप स्वयं मां गंगा भी नहीं धो सकतीं।

यह बीजेपी का दोहरा चरित्र

विधानसभा में सीएम योगी के मौलवी वाले बयान पर पल्लवी पटेल ने कहा यह भाजपा का दोहरा चरित्र है। जब वे मुख्य बिंदु से लोगों का ध्यान हटाना चाहते हैं तब वे ऐसे निरर्थक शब्दों का प्रयोग करते हैं। महाकुंभ में हुए हादसे पर उन्हें बात नहीं करनी पड़े, इसलिए उन्होंने भाषा जैसे मुद्दे को यहां पर उठा दिया।

हेमंत सोरेन ने लगाया गुटखा पर रोक तेजी से फैल रही है कैंसर की बीमारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में गुटखा और पान मसाला की बिक्री पर बैन लग गया है। गुटखा के बनाने, स्टोर करने, बेचने और डिस्ट्रीब्यूशन पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी गयी है। अब ये सब करने से कानूनी कार्रवाई होगी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने इस बाबत अधिसूचना भी जारी कर दी है।

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कैंसर दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्पष्ट कर दिया था कि राज्य में गुटखा पर प्रतिबंध लगेगा क्योंकि राज्य में कैंसर फैलने का सबसे बड़ा कारण गुटखा बना हुआ है। इसकी वजह से युवाओं की जिंदगी बर्बाद हो रही है।गुटखा और पान मसाला पर अधिसूचना निर्गत होने की

तारीख से एक साल लिए बैन लगाया गया है। इस आदेश के साथ झारखंड में गुटखा बनाने, स्टोरेज करने, बेचने और वितरण करने पर पूरी तरह से रोक लग गई है। नोटिफिकेशन के मुताबिक टोबैको या निकोटिन युक्त गुटखा और पान मसाला बेचने पर कार्रवाई होगी। आम लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट के तहत एक साल के लिए बैन लगाया गया है। आंकड़ों के मुताबिक झारखंड में ओरल कैंसर पीड़ित मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है इसकी वजह है गुटखा।

कनार्टक में फिर सियासी नाटक, सीएम पर रार

राजनाथ ने भी की सिद्धरमैया की तारीफ

» कांग्रेस ने अफवाहों को नकारा

» सीमए पर उपमुख्यमंत्री ने जताया भरोसा

हयात अब्बास/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कनार्टक में सियासी नाटक चलता ही रहता है। कभी भाजपा अपने किसी बड़े नेता को बाहर का रास्ता दिखाती है कभी उसे अपने साथ ले लेती है। उसी तरह से कांग्रेस में उठापटक जारी है। समय-समय पर वहां के सीएम को बदनले की चर्चा होती रहती है हालांकि पार्टी अन्य नेताओं द्वारा इसका खंडन भी किया जाता रहता है।

कभी-कभी तो चर्चा यहां तक हो जाती है पार्टी के शीर्ष नेतृत्व भी सीएम सिद्धरमैया से नाराज है। इसकी एक वजह हाल ही में ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट (जीआईएम) का आगाज राहुल व खरगे से न करवाकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से करवाया गया था। हालांकि कर्नाटक कांग्रेस ने चूकि बेंगलुरू में एयरशो चल रही था इसलिए राजनाथ सिहं को इस कार्यक्रम में बलाया गया था। वहीं इन मामलो पर पार्टी नेताओं के बयानों के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा, कोई भ्रम नहीं है, कांग्रेस पार्टी हर दिन हर चीज पर नजर रख रही है। सिद्धरमैया मई 2023 से मुख्यमंत्री हैं। इससे पहले वह 2013 से 2018 तक मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

सिद्धरमैया का कौशल सधा हुआ : राजनाथ

सिद्धरमैया ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से प्रशंसा अर्जित की, जिन्होंने ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट (जीआईएम) - इन्वेस्ट कर्नाटक 2025 का उद्घाटन करने के लिए मुख्यमंत्री के निमंत्रण को एक उदार इशारा बताया जो उनकी राजनेता कौशल को प्रदर्शित करता है। सिंह, जो एयरो इंडिया शो का उद्घाटन करने के लिए बेंगलुरु में थे, को कर्नाटक सरकार ने उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था। इन्वेस्ट कर्नाटक 2025 एक वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन है जो कर्नाटक के औद्योगिक विकास, निवेश के अवसरों

और स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र को प्रदर्शित करता है। सिंह को इसके उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। सिंह का उद्घाटन भाषण राजनीतिक लहजे के साथ-साथ बुद्धिमत्ता और सलाह से भरा था, जिसे सुन सिद्धरमैया मुस्कुराने भी लगे। राजनाथ सिंह ने घुटने के दर्द से उबर रहे कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को सलाह दी कि वह अपने पैरों को ''हर जगह आने वाली बाधाओं'' से बचाकर रखें। उन्होंने कहा, ''जब मैं शनिवार को बेंगलुरु आया तो मुझे मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के घुटने के दर्द के बारे में पता चला। उन्हें यहां कार्यक्रम में देखकर अच्छा लगा और इससे पता चलता है कि वह तेजी से ठीक हो रहे हैं।''

मुख्यमंत्री सिद्धरमैया कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी के निर्विवाद नेता : शिवकुमार

उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी के निर्विवाद नेता हैं और किसी को भी उनके नाम का दुरुपयोग करके बयान देने की कोई जरूरत नहीं है। पार्टी के एक वर्ग का कहना है कि सिद्धरमैया को मुख्यमंत्री के तौर पर अपना कार्यकाल पूरा करना चाहिए, जिसपर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शिवकुमार ने यह बयान दिया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि इस साल के अंत में कर्नाटक में संभावित नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच अगले चुनाव में सत्ता बरकरार रखने के लिए सिद्धरमैया का नेतृत्व पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष शिवकुमार मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को कई मौकों पर छिपा नहीं पाए हैं। शिवकुमार ने कहा, सिद्धरमैया हमारे मुख्यमंत्री हैं, वह

हमारे नेता हैं, हम उन्हें सभी चुनावों में चाहते हैं। हम उन्हें जिला पंचायत, तालुक पंचायत, विधानसभा और संसद चुनावों में चाहते हैं। वह हमारे नेता हैं। शिवकुमार नकहा, कांग्रेस पार्टी ने सिद्धरमैया को दो बार मुख्यमंत्री बनाया है। किसी को भी आए दिन उनके नाम का दुरुपयोग करने की कोई जरूरत नहीं है। वह हमारे नेता हैं, कांग्रेस पार्टी के निर्विवाद नेता हैं। वह दूसरी बार मुख्यमंत्री के तौर पर काम कर रहे हैं और अच्छा काम कर रहे हैं। मैं नहीं चाहता कि वह मीडिया (अटकलबाजी) का विषय बनें। पार्टी नेताओं के बयानों के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा, कोई भ्रम नहीं है, कांग्रेस पार्टी हर दिन हर चीज पर नजर रख रही है। सिद्धरमैया मई 2023 से मुख्यमंत्री हैं। इससे पहले वह 2013 से 2018 तक मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

राहुल और खरगे शामिल नही होने पर हुई सियासी चर्चा

हालांकि, आश्चर्य की बात तो ये है कि कांग्रेस सरकार के इतने बड़े कार्यकम में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे शामिल नहीं हुए। वहीं रक्षा मंत्री ने चुटकी लेते हुए कहा, ''राजनीति में अपने पैरों को सुरक्षित रखना बहुत महत्वपूर्ण है और आपको बहुत सावधान रहना होगा क्योंकि आपको हर जगह बाधाएं मिलेंगी।'' इस पर वहां मौजूद दर्शकों में हंसी की लहर दौड़ गई। सिद्धरमैया भी इस टिप्पणी पर मुस्कराए। सिंह ने उम्मीद व्यक्त की कि सिद्धरमैया सभी बाधाओं को पार कर लेंगे। उन्होंने कहा कि सिद्धरमैया एक वरिष्ठ राजनीतिज्ञ हैं और उन्होंने अपने रास्ते में आने वाली सभी बाधाओं को सुरक्षित रूप से पार किया है तथा आज वह कर्नाटक के मुख्यमंत्री हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि वह जल्दी ठीक हो जाएंगे। मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

बिहार में लालू के बयान पर घमासान

महाकुंभ पर टिप्पणी कर भाजपा के निशाने पर आए राजद प्रमुख

» रालोद अध्यक्ष ने की राजग सरकार के बिहार में वापसी की भविष्यवाणी

» सीएम नीतीश ने भी संभाला मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में चुनाव 2025 के अंतिम महीने में हो सकते है। पर वहां पर सियासत अभी से तेजी हो गई है। सत्ता पक्ष में शामिल पार्टियों नीतीश सरकार की वापसी की बात कर रही हैं तो राजद कह रही वो भाजपानीत गठबंधन को वापसी नहीं करने देंगे।

उधर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के महाकुंभ पर अपने दिये बयान पर घिर गए हैं। भाजपा ने इस मामले में उन पर निशाना साध लिया है। वहीं बिहार के सीएम ने महाकुंभ में मृत हुए बिहारी लोगों को अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। उधर एनडीए के पार्टनर रालोद ने भी मुख्यमंत्री नीतीश की तारीफ की है।

पप्पू यादव पर भी किया तीखे हमले

मंत्री मंगल पांडे ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के साथ पूर्णिया सांसद पप्पू यादव पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि अगर ये नेता भारतीय संस्कृति और परंपराओं को नहीं समझते हैं, तो यह उनकी अपनी सोच हो सकती है। लेकिन देश की जनता अपनी परंपराओं के प्रति गहरी आस्था रखती है। उन्होंने कहा कि जो लोग भारतीय परंपराओं का अपमान करते हैं, उन्हें जनता नकार देती है। सनातन परंपरा को खत्म करने की कोशिश करने वाले खुद समाप्त हो जाएंगे, लेकिन यह परंपरा आगे भी ऐसे ही चलती रहेगी।

जयंत बोले बिहार में वापसी करेगा राजग

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने शनिवार को विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की लोकप्रियता के दम पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बिहार में सत्ता में वापसी करेगा। राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष और कौशल विकास मंत्री चौधरी ने कुछ सरकारी कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए वहां आए थे। उन्होंने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के सुप्रीमो कुमार से मुलाकात की। चौधरी से राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के हाल के इस दावे के बारे में पूछा गया था कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत का बिहार में कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, जहां इस साल के अंत में चुनाव होने हैं। लोकसभा चुनाव से पहले राजग का हिस्सा बने चौधरी ने जवाब दिया कि सिर्फ दिल्ली ही नहीं बल्कि पूरा देश प्रधानमंत्री मोदी से प्रभावित है।''उन्होंने कहा, कि इसी तरह बिहार में भी नीतीश कुमार के नेतृत्व में जो विकास हुआ है, उससे सकारात्मक माहौल बना है। लालू प्रसाद ने कहा था कि दिल्ली चुनाव नतीजे का आगामी बिहार चुनाव पर कोई असर नहीं होगा।

लालू पर बरसे बिहार के मंत्री

भागलपुर में सोमवार को बिहार के स्वास्थ्य एवं कृषि मंत्री मंगल पांडे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के कुंभ स्नान पर दिए गए बयान पर तीखा पलटवार किया। उन्होंने लालू के बयान को 'नासमझी भरा' करार दिया। उन्होंने कहा कि यह भारत की सनातन परंपरा और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का अपमान है। मंगल पांडे ने कहा कि भारत की सनातन संस्कृति सदियों से चली आ रही है और कुंभ स्नान इसका अहम हिस्सा है। करोड़ों लोग इसमें आस्था रखते हैं और इसे पुण्य का कार्य मानते हैं। उन्होंने बताया कि अब तक करीब 53 करोड़ श्रद्धालु प्रयागराज के संगम में स्नान कर चुके है, जो इस परंपरा के प्रति जनता की गहरी श्रद्धा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि कुंभ केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। इसे नीचा दिखाने या इसका मजाक उड़ाने का कोई अधिकार किसी को नहीं है।मंगल पांडे ने कहा कि आज दुनियाभर में सनातन परंपरा को अपनाया जा रहा है। न केवल भारत, बल्कि कई विदेशी श्रद्धालु भी कुंभ मेले में भाग ले रहे हैं और संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय संस्कृति का प्रभाव वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जो लोग कुंभ को केवल अंधविश्वास समझते हैं, वे भारत की सांस्कृतिक धरोहर को नहीं समझते। लालू यादव जैसे नेता जब ऐसे बयान देते हैं, तो वे जनता से खुद को अलग कर लेते हैं।

सीएम नीतीश कुमार देंगे मदद

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार देर रात हुई भगदड़ में लोगों के मारे जाने पर शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने भगदड़ में मारे गए बिहार के लोगों के परिजन को दो-दो लाख रुपये एवं घायलों को 50 हजार रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष से देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, कि मुख्यमंत्री ने नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में लोगों के मारे जाने पर शोक व्यक्त किया है। वह इस घटना में बिहार के लोगों की मौत से बहुत दुखी हैं और उन्होंने मृतकों के परिजन को दो-दो लाख रुपये तथा घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी घटना पर शोक जताया है।

चौधरी ने कहा, नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई घटना दिल दहला देने वाली है। इस घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। मैं ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। इस बीच, राजद प्रमुख लालू प्रसाद ने इस घटना को लेकर केंद्र की भाजपा नीत सरकार की आलोचना की और रेल मंत्री के इस्तीफे की मांग की। प्रसाद ने यहां कहा कि भगदड़ की घटना बहुत परेशान करने वाली है...इसने केंद्र सरकार द्वारा किए गए अपर्याप्त इंतजामों को उजागर कर दिया है। इस घटना के बाद रेल मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आखिर कब रूकेंगी ऐसी हृदय विदारक घटनाएं

सरकारों द्वारा क्राउड मैनेजमेंट पर बड़ी-बड़ी बातें की जाती हैं पर ये सिर्फ बाते ही होती हैं। इसका सबसे ताजा उदहारण महाकुंभ के दौरान हुए भगदड़ के हादसे हैं। अभी मौनी अमवस्या की हृदय विदारक घटना धूमिल भी नहीं हुई थी नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ की घटना ने क्रमश: यूपी की योगी सरकार व रेलवे मंत्रालय के काम करने के तरीके पर उंगली उठा दिया है। सवाल यही उठता है कि इन दुर्घटनाओं से आम आदमी को कब निजात मिलेगी। बता दें लोग नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में प्रयागराज के लिए ट्रेन पकड़ने के लिए खड़े हुए थे। तभी ट्रेन सम्बन्धी उद्घोषणा के बाद प्लेटफार्म पर अफरातफरी और भगदड़ मच गई। ऐसे में सवाल है कि देश की राजधानी नई दिल्ली जैसे मुख्य रेलवे स्टेशन पर रेल प्रशासन ने समुचित व्यवस्था क्यों नहीं की थी। कई लोगों की मौत हो गई। ये महज आंकड़े नहीं हैं, बल्कि हमारी संवेदनाशून्य व्यवस्था की विफलता के नमूने मात्र हैं।

सवाल है कि जब महाकुंभ की तैयारियों को लेकर उत्तरप्रदेश प्रशासन लगातार डींगें हांक रहा था और केंद्र सरकार अपनी पीठ थपथपा रही थी, तब ऐसी हृदयविदारक घटनाओं का घटित होना उसकी तमाम व्यवस्थाओं पर सवालिया निशान लगा जाता है। सवाल यह भी है कि तमाम सकारात्मक राजनीतिक इच्छाशक्ति के बावजूद इतनी बड़ी प्रशासनिक चुकें कैसे हो गईं। गत 29 जनवरी 2025 को प्रयागराज में महाकुंभ मेला 2025 में मौनी अमावस्या से ठीक पहले भी एक दु:खद भगदड़ मची थी। ऐसे में उठता है कि आखिर में भगदड़ क्या है? तो जवाब होगा कि कहीं पर भी अचानक भीड़ के बढ़ने के बाद किसी वजह से मची अफरातफरी से भगदड़ होती है। इस दौरान लोगों का एक बड़ा ताकतवर समूह अनियंत्रित रूप से आगे बढ़ता है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर कमजोर लोग कुचल जाते हैं, कुछ का दम घुट जाता है और मृत्यु हो जाती है। यह घबराहट या उत्तेजना से प्रेरित होती है। यह अफवाहों, भय, सीमित स्थान या अचानक आंदोलनों के कारण उत्पन्न हो सकता है, जिससे भीड़ का व्यवहार अव्यवस्थित हो सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि भारत में 79 प्रतिशत भगदड़ें धार्मिक आयोजनों के दौरान ही हुई हैं। भगदड़ के लिए जिम्मेदार कारक संरचनात्मक विफलताएं यानी कमजोर अस्थायी संरचनाएं, खराब बैरिकेडिंग और संकीर्ण प्रवेश/निकास द्वार अमूमन खतरे पैदा करते हैं। वहीं, भीड़ पर अपर्याप्त नियंत्रण भी प्रमुख कारक हैं, क्योंकि भीड़ के आकार का कम आंकलन, स्टाफ की कमी, अपर्याप्त निकास और अनियंत्रित प्रवेश के कारण भीड़भाड़ हो जाती है। वहीं, घबराहट और अफवाहें की इसकी प्रमुख कारक हैं, क्योंकि झूठे अलार्म या सामूहिक उन्माद के कारण अचानक हलचल हो सकती है, जिससे लोग भागकर गिर जाते हैं और दबे-कुचले जाते हैं।

सवाल यही उठता है कि इन दुर्घटनाओं से आम आदमी को कब निजात मिलेगी। बता दें लोग नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में प्रयागराज के लिए ट्रेन पकड़ने के लिए खड़े हुए थे। तभी ट्रेन सम्बन्धी उद्घोषणा के बाद प्लेटफार्म पर अफरातफरी और भगदड़ मच गई। ऐसे में सवाल है कि देश की राजधानी नई दिल्ली जैसे मुख्य रेलवे स्टेशन पर रेल प्रशासन ने समुचित व्यवस्था क्यों नहीं की थी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

हाई स्किल्ड पेशेवर तैयार करने की चुनौती

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन इस समय जहां नए डिजिटल दौर में देश की नई हाई स्किल्ड पीढ़ी के लिए भारत में ही नहीं, दुनियाभर में नए दौर की नौकरियों में अवसर बढ़ रहे हैं, वहीं करोड़ों युवाओं को नए दौर की इन नौकरियों के लिए शिक्षित-प्रशिक्षित करने की बड़ी चुनौती भी सामने है। खासतौर से ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में यह चुनौती और अधिक है। हाल ही में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट च्भविष्य की नौकरियोंज् में कहा कि वैश्विक स्तर पर वर्ष 2030 तक 17 करोड़ नई हाई स्किल्ड नौकरियां पैदा होंगी, जबकि 9.2 करोड़ परंपरागत नौकरियां समाप्त होने का अनुमान है। इसके परिणामस्वरूप 7.8 करोड़ अधिक नई नौकरियां पैदा होंगी। तकनीकी उन्नति, जनसांख्यिकीय बदलाव, भू-आर्थिक तनाव और आर्थिक दबाव आदि परिवर्तनों के कारण नई हाई स्किल्ड नौकरियों को रफ्तार मिलेगी और इससे दुनियाभर में उद्योगों-व्यवसायों को नया रूप मिलता दिखाई देगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां भारत में नियोक्ताओं का मानना है कि सेमीकंडक्टर और कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकियों को अपनाने से उनके परिचालन में बदलाव आएगा, वहीं क्वांटम और एन्क्रिप्शन प्रौद्योगिकियों को अपनाने से भी परिचालन में परिवर्तन होगा। रिपोर्ट में कहा गया है, विश्व स्तर पर एआई कौशल की मांग में तेजी आई है, जिसके क्षेत्र में भारत और अमेरिका अग्रणी नजर आते हैं। ऐसे में सबसे तेजी से बढ़ती जिन नौकरियों की भूमिकाएं होंगी, उनमें एआई, बिग डेटा, मशीन लर्निंग और साइबर सुरक्षा प्रबंधन के विशेषज्ञ शामिल हैं। ये सभी नौकरियां वैश्विक रुझानों के साथ निकटता से जुड़ी हैं। इसी के चलते भारत दुनिया की सबसे बड़ी स्किल्ड वर्कफोर्स वाले देशों में शामिल है। अगले दशक में भारत दुनिया की एक चौथाई नई हाई स्किल्ड वर्कफोर्स का हब भी बनता दिखाई दे सकता है।

उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ पेरिस में आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक्शन शिखर सम्मेलन की सह अध्यक्षता करते हुए कहा कि यद्यपि दुनिया में यह आशंका है कि एआई की वजह से नौकरियां खत्म होंगी, लेकिन इतिहास गवाह है कि प्रौद्योगिकी के कारण नौकरियां खत्म नहीं होती, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है और नई

तरह की नौकरियां सृजित होती हैं। इसलिए हमें एआई संचालित भविष्य के लिए अपने लोगों को हाई स्किल्ड बनाते हुए नए काम के तरीकों के लिए उन्हें तैयार करने में निवेश करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत ने अपने 140 करोड़ से अधिक लोगों के लिए बहुत कम लागत पर डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा तैयार किया है। साथ ही इंडियाएआई मिशन प्रभावी रूप से काम कर रहा है। ओपन एआई के सीईओ सैम आल्टमैन के मुताबिक एआई के लिए दुनिया में भारत दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई के मुताबिक, भारत एआई के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर सकता है। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला के मुताबिक, भारत की गणित में दक्ष नई पीढ़ी के लिए एआई के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। इस समय जहां प्रतिभा संपन्न हाई-स्किल्ड नई पीढ़ी देश के विकास में बड़ा योगदान दे रही है, वहीं भारत के टैलेंट की दुनिया में पहचान है। भारत के प्रोफेशनल बड़ी कंपनियों के जरिए ग्लोबल स्तर पर अभूतपूर्व योगदान रहे हैं। ये हाई स्किल्ड पीढ़ी सेवा निर्यात से विदेशी मुद्रा कमाने वाली आर्थिक शक्ति के रूप में भी उभर रही है। यह भी महत्वपूर्ण है कि एआई सहित हाई स्किल्ड मैनपॉवर के आसान व किफायती रूप से उपलब्ध होने के कारण भारत में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की तेजी से नई स्थापनाओं के साथ सेवा निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। जीसीसी जॉब मार्केट में नया चलन है। जीसीसी आईटी सपोर्ट, कस्टमर सर्विस, फाइनेंस, एचआर और रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर ध्यान केंद्रित करती हैं।

हाल ही में नैसकॉम और जिनोव की ओर से जारी इंडिया जीसीसी लैंडस्केप रिपोर्ट के मुताबिक, जीसीसी के लिए भारत दुनिया का सबसे बड़ा हब बनता दिखाई दे रहा है। कोई दो मत नहीं कि भारत देश-दुनिया की जरूरतों को देखते हुए अपने युवाओं की स्किल्स डेवलपमेंट व अपग्रेडेशन कर रहा है। महत्वपूर्ण यह कि इससे भारत के लिए हाई स्किल्ड सेवाओं के निर्यात की ऊंची संभावनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। सेवा निर्यात के तहत कंप्यूटर नेटवर्क का इस्तेमाल एआई, आईटी, बैंकिंग, फाइनेंस, इंश्योरेंस, पर्यटन, आतिथ्य, शिक्षा, मेडिकल ट्रांसक्रिप्शन, गेमिंग व मनोरंजन आदि से संबंधित सर्विसेज का एक्सपोर्ट शामिल है।

अपने एआई इकोसिस्टम को करें मजबूत

डॉ. शशांक द्विवेदी

पिछले दिनों चीन के नए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम डीपसीक आर-1 ने आते ही अमेरिका सहित पूरी दुनिया में हड़कंप मचा दिया। डीपसीक ने अमेरिका के एआई वर्चस्व को तोड़ते हुए एनवीडिया सहित कई अमेरिकी टेक कंपनियों के भविष्य पर भी सवाल खड़े कर दिए। चीन के एक छोटे से स्टार्टअप ने काफी कम खर्च में इतना शक्तिशाली एआई मॉडल बनाया है, जिसके बारे में दुनियाभर के एआई एक्सपर्ट सोच ही नहीं सकते थे कि चीन भी ऐसा कर सकता है। अब इस एआई ने पूरी दुनिया के टेक महारथियों को हिलाकर रख दिया है। चाइनीज़ स्टार्टअप कंपनी ने एक एआई चैट मॉडल, डीपसीक आर -1 पेश किया। इस चाइनीज़ एआई मॉडल ने एआई एफिसिएंसी, लागत में कमी और स्केलेबिलिटी में शानदार सफलता प्राप्त की है।

चीनी कंपनी डीपसीक ने इन खर्चों में 94 प्रतिशत की कटौती की और सिर्फ 6 मिलियन डॉलर के ट्रेनिंग खर्च के साथ एक पॉवरफुल एआई मॉडल बना लिया। एआई मॉडल को बनाने के लिए खर्च को 94 प्रतिशत तक कम करना पूरी दुनिया के लिए हैरान करने वाली बात है। डीपसीक ने इसके लिए कई क्रांतिकारी तकनीकों का उपयोग किया है। उदाहरण के लिए, ओपन एआई 32-बिट फ्लोटिंग प्वाइंट्स का उपयोग करता है, जिसमें एक संख्या को स्टोर करने के लिए 4 बाइट्स मेमोरी की आवश्यकता होती है। डीपसीक एआई मॉडल 8-बिट फ्लोटिंग प्वाइंट्स का उपयोग करता है, जिससे इसकी मेमोरी की जरूरतें कम हो जाती हैं। इसे सिर्फ 1 बाइट मेमोरी की आवश्यकता होती है। दुनिया की शीर्ष कंपनियां आमतौर पर अपने चैटबॉट को सुपरकंप्यूटर से प्रशिक्षित करती हैं, जिसमें 16,000 या उससे ज़्यादा चिप्स का इस्तेमाल होता है। डीपसीक के इंजीनियरों ने कहा कि उन्हें सिर्फ़ 2,000 एनवीडिया चिप्स की ज़रूरत थी। दुनियाभर के ज्यादातर एआई मॉडल्स एक बार में एक ही शब्द को पढ़ते हैं और प्रोसेस करते हैं, लेकिन डीपसीक एक बार में पूरे वाक्य को पढ़ सकता है और प्रोसेस कर सकता है, जिससे प्रोसेसिंग टाइम भी कम हो जाता है। चैट जीपीटी-4 को एक जवाब देने में दो सेकंड लगते हैं, जबकि डीपसीक के लिए दावा किया गया है कि यह 90 प्रतिशत सटीकता के साथ एक सेकंड में जवाब दे सकता है।

दरअसल, एआई मॉडल ट्रेनिंग साइकिल के दौरान अरबों शब्दों को प्रोसेस करते हैं। ऐसे में प्रोसेसिंग टाइम को कम करना, इस एआई कंपनी के लिए बड़ी सफलता है। ओपन एआई का जीपीटी-4 हर कैल्कुलेशन के दौरान 1.8 ट्रिलियन पैरामीटर्स को एक्टिव रखता है। वहीं, डीपसीक एक एडवांस एल्गोरिथ्म का उपयोग करके सिर्फ जरूरत पड़ने पर ही स्पेसिफिक न्यूरल पाथवे को एक्टिव करता है। इससे एक समय में सिर्फ 37 बिलियन सक्रिय पैरामीटर्स होते हैं। इससे हमें यह समझ में आता है कि ओपन एआई की तुलना में डीपसीक के एआई मॉडल्स में किसी क्वेरी के प्रति कैल्कुलेशंस की संख्या काफी कम हो जाती है। यह मॉडल इतनी अच्छी तरह से काम करता है कि टेस्ला के पूर्व एआई निदेशक आंद्रेज करपैथी ने कहा कि डीपसीक ने कम बजट में एक एआई मॉडल को प्रशिक्षण देना बहुत आसान बना दिया है।

वर्ष 2022 के अंत में जब ओपन एआई ने एआई बूम की शुरुआत की, तब से प्रचलित धारणा यह थी कि विशेष एआई चिप्स में अरबों डॉलर का निवेश किए बिना सबसे शक्तिशाली एआई सिस्टम नहीं बनाए जा सकते। इसका मतलब यह होगा कि केवल सबसे बड़ी तकनीकी कंपनियां, जैसे कि माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और मेटा, जो सभी संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित हैं, ही अग्रणी तकनीकों का निर्माण कर सकती हैं। डीपसीक के आने के बाद अब तस्वीर बदल गई है, ये लगने लगा है कि एआई मॉडल को कम पैसे में भी बना सकते हैं। डीपसीक विशेषज्ञों के अनुसार उन्हें अपने नए सिस्टम को तैयार और ट्रेंड करने के लिए केवल 6 मिलियन डॉलर की कच्ची कंप्यूटिंग शक्ति की आवश्यकता थी। यह मेटा द्वारा अपनी नवीनतम एआई तकनीक बनाने में खर्च की गई राशि से करीब 10 गुना कम था।

दरअसल, यह शानदार उपलब्धि सिर्फ एआई रिसर्च और व्यवसायों के लिए ही नहीं, बल्कि सैन्य रणनीति, वैश्विक आर्थिक प्रतिस्पर्धा, और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी भारी महत्व रखती है। निस्संदेह, एआई टेक्नोलॉजी अब युद्ध की रणनीतियों को भी बदल रही है। चीन के पास पहले से ही एक एडवांस साइबर युद्ध सिस्टम है। एआई की मदद से चीन सोशल मीडिया पर असली जैसी दिखने वाली झूठी कहानियां तेजी से फैला सकता है, ताकि लोगों की राय, मानसिकता और कानूनी युद्ध को प्रभावित किया जा सके। इसके कारण भारत की एकता पर भी खतरा हो सकता है। इसके अलावा चीन अपनी डीपसीक वाली एआई टेक्नोलॉजी की मदद से हैकिंग टूल्स भारत के रक्षा ढांचे, परमाणु सुविधाओं और फाइनेंशियल सिस्टम को भी निशाना बना सकता है। भारत को अपने एआई इकोसिस्टम को जल्द से जल्द मजबूत करने की जरूरत है। भारत के लिए सेमीकंडक्टर प्रोडक्शन में इन्वेस्ट करना, एआई द्वारा संचालित रक्षा तकनीक को प्राथमिकता देना काफी महत्वपूर्ण है।

बिना कद्दूकस किए बनाएं गाजर का हलवा

गाजर का हलवा उत्तर भारत, विशेष रूप से पंजाब, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में बहुत प्रसिद्ध है। सर्दियों के मौसम में इसे बड़े चाव से खाया जाता है। इसे मुख्यतः सर्दियों के महीनों में बनाया जाता है। नवंबर से फरवरी तक सब्जी की बाजारों में गाजर की बहार रहती है। इसलिए गाजर का हलवा इस मौसम में खूब बनाया और खाया जाता है। खास मौकों व त्योहारों जैसे दिवाली, होली, लोहड़ी और शादी ब्याह के साथ ही विशेष आयोजनों में गाजर का हलवा सबसे अधिक पसंद किए जाने वाली मिठाई के तौर पर लोकप्रिय है। बाजार में तो आसानी से गाजर का हलवा मिल जाता है। वहीं लोग घर पर भी गाजर का हलवा बनाते हैं। हालांकि घर पर गाजर का हलवा बनाने के लिए पारंपरिक तौर पर पहले गाजर को कद्दूकस किया जाता है। गाजर को कद्दूकस करना बहुत मेहनत का काम होता है और इसमें समय भी काफी लग जाता है। ऐसे में अगर जल्दी गाजर का हलवा बनाना हो और कद्दूकस करने की मेहनत से भी बचना हो तो गाजर को कद्दूकस किए बिना भी हलवा बनाया जा सकता है।

सामग्री

एक किलो मोटी गाजर लें। एक लीटर फुल क्रीम दूध, 200 ग्राम खोया, एक कप चीनी, चार बड़े चम्मच घी, एक छोटा चम्मच इलायची पाउडर, एक चम्मच किशमिश, आधा कप बारीक कटे काजू, बादाम और पिस्ता।

विधि

गाजरों को धोकर छील लें और बड़े टुकड़ों में काट लें। अब एक कुकर में गाजरों को डालें और आधा कप पानी डालकर 2-3 सीटी आने तक पका लें। अगर भगोने में गाजर उबाल रहे हैं तो 10-15 मिनट धीमी आंच पर ढक कर पकाएं। गाजर जब नरम हो जाए तो उन्हें किसी करछी या बेलन की मदद से हल्का मैश कर लें। ध्यान रखें कि गाजर को दरदरा रखें ताकि हलवे में अच्छा टेक्सचर आए। अब एक भारी तले की कड़ाही में घी गरम करें और मैश की हुई गाजर डालें। मध्यम आंच पर गाजरों को भूनें, जब तक घी अलग न दिखने लगे और गाजर से हल्की महक आने लगे। ऊपर से दूध डालकर धीमी आंच पर पकाएं। बीच-बीच में चलाते रहें। लगभग आधे घंटे दूध को पूरी तरह से गाढ़ा होने तक पकने दें। अब चीनी डालें और इसे अच्छी तरह से मिक्स करें। चीनी डालने के बाद हलवा थोड़ा पतला होगा, लेकिन धीमी आंच पर पकाकर इसे गाढ़ा कर लें। खोया या मावा कद्दूकस करके डालें और अच्छी तरह मिलाएं। हलवे को गार्निश करने के लिए कटे हुए मेवे और इलायची पाउडर को ऊपर से मिलाएं और 5 से 7 मिनट पकाएं। जब हलवा गाढ़ा और खुशबू कटे हुए मेवे और इलायची पाउडर डालें। 5-7 मिनट और पकाएं, जब तक हलवा गाढ़ा और खुशबूदार न हो जाए।

घर पर ही बनाएं दही के शोले

दिल्ली के मशहूर और लजीज दही के शोले का स्वाद अगर अपने शहर में भी तलाश रहे हैं तो घर पर ही आपकी खोज पूरी हो सकती है। आप घर पर ही आसानी से दही के शोले बना सकते हैं, जिसका स्वाद बाजार जैसा ही होगा। दही के शोले एक स्वादिष्ट और अनोखा भारतीय स्नैक है, जिसे आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। यह कुरकुरी ब्रेड के अंदर मसालेदार दही की स्टफिंग के साथ तैयार किया जाता है।

सामग्री

ब्रेड स्लाइस 8-10, दही (गाढ़ा)- 1 कप, बारीक कटा हुआ प्याज- 2 बड़े चम्मच, बारीक कटी शिमला मिर्च- 2 बड़े चम्मच, बारीक कटी गाजर- 2 बड़े चम्मच, बारीक कटी हरी मिर्च- 1-2 (स्वादानुसार), हरी धनिया - 2 बड़े चम्मच, चाट मसाला - 1 चम्मच, काली मिर्च पाउडर - 1/2 चम्मच, नमक- स्वादानुसार, कॉर्न फ्लोर या मैदा- 2 बड़े चम्मच (पेस्ट बनाने के लिए), तलने के लिए तेल।

विधि

सबसे पहले दही की स्टफिंग तैयार करें। इसके लिए गाढ़े दही को एक-दो घंटे के लिए मलमल के कपड़े में लटका दें, ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए। बाद में छाने हुए दही में बारीक कटा प्याज, शिमला मिर्च, गाजर, हरी मिर्च और धनिया डालें। इसमें चाट मसाला, काली मिर्च पाउडर और नमक मिलाकर अच्छी तरह मिक्स करें। अब ब्रेड के किनारे को काटकर हटा दें और बेलन से ब्रेड को हल्का बेल कर पतला कर लें। ब्रेड के बीच में 1-2 चम्मच दही की स्टफिंग को रखें और ब्रेड के किनारे पर कॉर्न फ्लोर या मैदे का पतला पेस्ट लगाएं। फिर ब्रेड को धीरे-धीरे मोड़कर रोल का आकार दें और किनारे अच्छे से चिपका दें। इसी तरह सभी ब्रेड रोल को तैयार कर लें। कढ़ाई में तेल गरम करके ब्रेड रोल्स को सुनहरा और कुरकुरा होने तक तलें। डीप फ्राई किए शोले को टिशू पेपर पर निकालें, ताकि अतिरिक्त तेल निकल जाए। दही के शोले तैयार हैं, इन्हें हरी चटनी, इमली की चटनी या टोमेटो केचप के साथ गरमा गरम परोसें।

हंसना मना है

पति बाल कटवाकर घर आया। पति- देखो, मैं तुमसे दस साल छोटा लगता हूं कि नहीं? पत्नी-मुंडन करवा लेते तो लगता जैसे अभी पैदा हुए हो।

पप्पू- पापा बुलेट दिला दो, बाप- पड़ोसन की लड़की को, देख बस से जाती है। पप्पू- यही तो देखा नहीं जाता!

पप्पू अपनी पत्नी से-अच्छा ये बताओ 'बिदाई' के समय तुम लड़कियां इतनी रोती क्यों हो? पत्नी- 'पागल' अगर तुझे पता चले। अपने घर से दूर ले जाकर कोई तुमसे 'बर्तन मंजवाएगा' तो तू क्या नाचेगा।

मेरे एक पड़ोसी है, जिनका नाम है 'भगवान' और उनकी लड़की का नाम है भक्ति, मम्मी बोलती है कि 'बेटा भगवान की भक्ति में मन लगाया कर' अब मम्मी को कैसे समझाऊं की भक्ति में तो मन लगाता हूं, पर भगवान नहीं मान रहे।

इस मतलबी दुनिया में, एक पान वाला ही है, जो पूछ कर चुना लगाता है!

कहानी — मुल्ला नसरुद्दीन और बेईमान काजी

एक दिन मुल्ला नसरुद्दीन के सामने बाजार में अचानक एक अनजान व्यक्ति आता है और उन्हें थप्पड़ मार देता है। मुल्ला को कुछ समझ नहीं आता। थप्पड़ मारने के बाद वह अनजान व्यक्ति उनसे हाथ जोड़कर माफी मांगने लगता है। वह कहता है, मुल्ला जी, मुझे माफ कर दीजिए। मैं किसी दूसरे को मारना चाहता था, लेकिन गलती से आपको थप्पड़ मार दिया। मुल्ला को भरोसा नहीं हुआ। वह इंसाफ के लिए एक काजी के पास उस अजनबी को लेकर चले गए। मुल्ला ने काजी को सारी बात बताई। उसी दौरान काजी और उस अनजान व्यक्ति के बीच में कुछ बातें हुईं। उन बातों को सुनकर नसरुद्दीन को लगा कि वो दोनों एक दूसरे को पहले से ही जानते हैं। फिर भी मुल्ला ने काजी से इंसाफ करने के लिए कहा। काजी ने उस अजनबी से पूछा, क्या मुल्ला जो कह रहा है, वो सब सच है। व्यक्ति ने काजी को बताया गलती से थप्पड़ मार दिया था। काजी ने कहा कि तुम्हें मुल्ला को थप्पड़ मारने का जुर्माना भरना होगा। काजी ने जुर्माने की रकम एक रुपये तय की। मुल्ला इस फैसले से खुश नहीं थे। तभी काजी ने थप्पड़ मारने वाले व्यक्ति से कहा कि अगर तुम्हारे पास अभी पैसे नहीं हैं, तो तुम बाहर जाकर पैसे कमा सकते हो। जब पैसे इकट्ठे हो जाएं, तब दे देना। यह सुनकर मुल्ला को यकीन हो गया कि ये दोनों मिले हुए हैं, लेकिन मुल्ला कुछ नहीं कर सकते थे। वो यह फैसला सुनकर चुपचाप वहां से चले गए। काफी समय बीतने के बाद भी वह थप्पड़ मारने वाला व्यक्ति वापस नहीं आया। अब मुल्ला के मन में हुआ कि वह वापस आने वाला नहीं है। यह सब काजी और उस आदमी की चाल थी। तभी मुल्ला ने काजी को सबक सिखाने का फैसला ले लिया। मुल्ला तुरंत काजी के पास पहुंच गए। काजी से नसरुद्दीन पूछते हैं, काजी साहब, क्या अनजान व्यक्ति को थप्पड़ मारने का जुर्माना सिर्फ एक रुपये होना सही है? काजी झट से जवाब देते हुए कहता है कि हां, थप्पड़ के बदले एक रुपये का जुर्माना काफी है। काजी का जवाब सुनते ही मुल्ला उसे एक थप्पड़ मार देते हैं। मुल्ला कहते हैं, काजी साहब, जब भी वह थप्पड़ मारने वाला अनजान व्यक्ति लौटेगा उस पर लगाया गया एक रुपये का जुर्माना आप ले लीजिएगा। इतना कहकर मुल्ला वहां से चले गए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — धनार्जन सुगम होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

वृषभ — वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन — शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क — लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

सिंह — रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

कन्या — अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

तुला — बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा।

वृश्चिक — नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु — बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मकर — स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है।

कुम्भ — कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मीन — आज के दिन धन प्राप्ति सुगम होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। प्रमाद न करें।

फिर अल्लू अर्जुन संग साउथ फिल्म में दिखेंगी जान्हवी कपूर

अल्लू अर्जुन के लिए साल 2024 बेहद शानदार रहा। उनकी फिल्म पुष्पा 2 ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर गदर काटा। अब वे अपनी अगली फिल्म को लेकर चर्चा में आ गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अल्लू अर्जुन निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास के साथ काम शुरू करने वाले थे, लेकिन प्रोजेक्ट में कुछ देरी होने के चलते वे अपने शेड्यूल में बदलाव कर सकते हैं। अब कहा जा रहा है कि एक्टर फिल्म निर्माता एटली की अगली फिल्म पर काम शुरू करने वाले हैं। और इसमें उनके साथ जान्हवी कपूर नजर आ सकती हैं।

अल्लू अर्जुन काफी लंबे वक्त से निर्माता-निर्देशक एटली के साथ काम करने के इच्छुक हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्टर उनके साथ एक हाई एक्शन फिल्म में काम करने वाले हैं, जिसका जल्द एलान किया जाएगा। इस बीच अटकलें लगाई जा रही हैं कि अल्लू अर्जुन के साथ इस फिल्म में जान्हवी कपूर नजर आ सकती हैं। हालांकि, अभी आधिकारिक तौर पर ऐसी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

फिल्म देवरा के बाद जान्हवी कपूर को तेलुगु दर्शकों के बीच अच्छी पहचान मिली है। इस फिल्म के बाद जान्हवी बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित राम चरण की आगामी फिल्म में भी अहम भूमिका निभाने जा रही हैं। अगर, चल रहीं खबरों के मुताबिक जान्हवी के हाथ अल्लू अर्जुन की फिल्म लगती है तो यह उनकी तीसरी साउथ फिल्म होगी।

जान्हवी कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो वे फिलहाल अपनी अगली फिल्म परम सुंदरी की तैयारियों में व्यस्त हैं। इस फिल्म में वे सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म इस साल जुलाई में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। तुषार जलोटा फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। श्रीदेवी और बोनी कपूर की बेटी जान्हवी ने फिल्म धड़क से डेब्यू किया था।

' केसरी वीर : लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ' में सुनील शेट्टी का दिखा जबरदस्त लुक

सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय और सूरज पंचोली स्टारर 'केसरी वीर- लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ' का टीजर रिलीज हो गया है, जिसमें दमदार एक्शन और हाई-ऑक्टेन सीक्वेंस भरे हुए हैं। यह ऐतिहासिक ड्रामा उन वीर योद्धाओं की कहानी बयां करता है, जिन्होंने 14वीं शताब्दी में आक्रमणकारियों से प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी।

टीजर में कई रोमांचक पल देखने को मिलते हैं, लेकिन सबसे खास बात यह है कि सुनील शेट्टी तीन साल बाद 'केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ' के साथ बड़े पर्दे पर दमदार वापसी कर रहे हैं। आखिरी बार वह 2022 में रिलीज हुई फिल्म 'घनी' में नजर आए थे और अब वह एक ऐतिहासिक रोमांच और साहसिक यात्रा पर अपने प्रशंसकों को लेकर जाने के लिए पूरी तरह तैयार

हैं। सुनील शेट्टी, जो फिल्म में वेगड़ा की भूमिका निभा रहे हैं, टीजर में जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस में नजर आते हैं। उनकी दमदार और प्रभावशाली अदाकारी कहानी में जान डाल देती है। सोमनाथ मंदिर की रक्षा के लिए लड़ी गई ऐतिहासिक लड़ाई में उनका किरदार एक अहम भूमिका निभाता है। एक ऐतिहासिक योद्धा के रूप में उनका यह रूप फिल्म को और भी प्रामाणिकता प्रदान करता है। योद्धा के परिधान में सुनील शेट्टी अपने किरदार में रॉ इंटेंसिटी लाते हैं, जिससे वह एक बार फिर साबित करते हैं कि भारतीय सिनेमा में वह आज भी एक बड़ी शक्ति हैं। अपने दशकों लंबे करियर में सुनील शेट्टी ने खुद को लगातार एक बेहतरीन कलाकार के रूप में विकसित किया है, और 'केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ' में उनकी भूमिका एक बार फिर उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शकों के सामने लाने का वादा करती है।

बॉलीवुड | **मन की बात**

'हे राम' से रोल कट जाने पर मैं खूब रोया था : नवाजुद्दीन

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने साल 2000 में आई फिल्म हे राम में सहायक निर्देशक और बतौर अभिनेता भी काम किया था। इस फिल्म से उनका रोल कट जाने के बाद वे बेहद निराश हो गए थे।बॉलीवुड में जब नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपनी पहचान बनाने के दौरान कई बार उन्हें निराशा का सामना करना पड़ा। नवाजुद्दीन ने साल 2000 में आई फिल्म हे राम में सहायक निर्देशक के तौर पर काम किया। उन्हें बाद में बहुत निराशा हुई, जब उन्हें पता लगा कि उनका सीन फिल्म से काट दिया गया है। द कपिल शर्मा शो में पर नवाजुद्दीन सिद्दीकी बताया कि इसका प्रीमियर मुंबई के फिल्म सिटी में हुआ था मैं अपने 5-6 दोस्तों को लेकर गया था। मैंने उनसे कहा, बॉस हे राम आ रही है, मैंने काम किया है उसमें। कमल हासन साहब मेरे पास आए और कहा, नवाज, अपने दोस्तों को बोल दो कि तुम्हारा रोल कट गया है। दुखी नवाज ने कमल हासन से कहा, सर मेरी बहुत बेज्जती हो जाएगी। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने बताया कि वे इसके बाद अपने दोस्तों के पास गए और रोने लगे। उन्होंने अपने दोस्तों को बताया कि मेरा रोल काट दिया गया है। नवाजुद्दीन ने कहा, मैंने उन्हें फिल्म देखने या न देखने का विकल्प दिया, लेकिन वे इसे देखना चाहते थे। कमल हासन ने भी कपिल शर्मा के शो में कहा, मुझे उन पर गर्व है। वह हे राम के सहायक निर्देशक भी थे। वह तब भी एक शानदार अभिनेता थे, फुटेज की वजह से सीन कट गया। वह अब इस बारे में सहजता से बात करते हैं, लेकिन उस दिन उनका दिल टूट गया था। नवाजुद्दीन को आखिरी बार फिल्म 'रौतू का राज' में नारायणी शास्त्री, राजेश कुमार और अतुल तिवारी के साथ मुख्य भूमिकाओं में देखा गया था। अब वह इस फिल्म में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा अभिनेता मैडॉक फिल्म्स की हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की आगामी फिल्म 'थामा' मे आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना के साथ नजर आने वाले हैं।

क्या आपको पता है सांप के जहर का रंग कैसा होता है, जहर का कलर जांचने का है अजीब तरीका

हम जानते हैं कि सामान्य ज्ञान का हमारी जिंदगी में एक अहम स्थान होता है। किसी भी नौकरी की परीक्षा हो या फिर आम बातचीत, अगर आपका सामान्य ज्ञान अच्छा है, तो लोग आपसे जल्दी इम्प्रेस हो जाते हैं। हालांकि आज इस रिपोर्ट में हम एक ऐसा सवाल लेकर आए हैं जिसका जवाब देना ज्यादा मुश्किल नहीं है, लेकिन फिर भी कई लोग इसका जवाब देते समय गलती कर जाते हैं। ये सवाल एक ऐसे जीव से जुड़ा हुआ है, जिसका नाम सुनकर ही लोग घबरा जाते हैं।

कभी आपने सोचा है कि सांप के जिस जहर से हम डरते हैं, उसका असली रंग क्या होता है? आमतौर पर लोग सोचते हैं कि सांप का जहर नीले रंग का होता है क्योंकि जब सांप काटता है तो वह हिस्सा नीला हो जाता है। हालांकि ऐसा है बिल्कुल नहीं, तो फिर क्या है सांप के जहर का असली रंग।

सांप के जहर का रंग तभी पता लगाया जा सकता है जब उसे कांच के बर्तन या शीशी में रखा जाए। इसके अलावा, सांप को देखकर या किसी अन्य तरीके से सांप के जहर का रंग निर्धारित करना बेहद मुश्किल काम है। अधिकांश सांपों का जहर पीले या हल्के पीले रंग का होता है। कुछ सांप ऐसे भी होते हैं, जिनका जहर सफेद रंग का होता है और कभी-कभी साँपों के जहर हल्के हरे रंग का भी होता है। अब सवाल ये है कि आखिर सांप के जहर में क्या होता है, जो इसे इतना खतरनाक बनाता है। अलग-अलग स्रोतों से मिली जानकारी के मुताबिक सांप के जहर में आमतौर पर प्रोटीन, पेप्टाइड्स और अन्य रसायन होते हैं। प्रोटीन एंजाइम और अन्य पदार्थों का मिश्रण इसे जहरीला बना देता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक सांप के जहर का रंग घटक काफी हद तक एल-अमीनो एसिड ऑक्सीडेज पर निर्भर करता है। हालांकि, वैज्ञानिकों का मानना है कि आम मोहल्लों या घरों में दिखने वाले सांपों और जंगली सांपों के जहर का रंग अलग-अलग हो सकता है।

अजब-गजब | **किसी अजूबे से कम नहीं है यह कुआं**

इसे कहा जाता है पाताल तोड़ कुआं, बिना मोटर, बिना बोर सालभर बहता रहता है इसका रहस्यमयी पानी

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ का हिल स्टेशन कहे जाने वाला सरगुजा अक्सर अपनी हसीन वादियों और आदिवासी संस्कृति के लिए देशभर में सुमार है। ऐसे में अम्बिकापुर शहर से लगा ग्रामीण इलाका मैनपाट की बात करें, तो यहां तिब्बती संस्कृति की झलक पाने के लिए लोग यहां पहुंचते हैं। लेकिन जब देश आजाद हुआ, तब यहां केवल आदिवासी लोग रहा करते थे। लेकिन फिर चीन ने तिब्बत देश पर कब्जा किया, तो किसी देश ने तिब्बतियों को रहने के लिए जगह नहीं दिया। फिर क्या थी, उस वक्त देश की महिला प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी ने तिब्बती लोगों को भारत के अलग-अलग हिस्सों में शरण दी।

ऐसे में मौसम के लिहाज से छत्तीसगढ़ का अम्बिकापुर पहले से ठंड के लिए जाना जाता था, तो यहां तिब्बतियों को रहने के लिए मकान और जीवन यापन करने के लिए जमीन दिया गया, जिसको पुनर्वास कहते हैं। इनको शरणार्थी के तौर पर जाना जाता है। ऐसे में जब यहां तिब्बती रहने लगे, तो पहले मूलभूत सुविधा यानी बिजली, पानी की कोई सुविधा नहीं थी। ऐसे में सरगुजा के मैनपाट के ग्राम रोपाखार में स्थित

पातालनुमा पानी के पझरे को एक टंकी बनाया गया। तब से आज भी ये वैसा ही है। यहां पानी बिना किसी इलेक्ट्रिक साधनों के मोटर, बोर की तरह रोजाना बिना रूके बहता है, जो आपको सालभर वैसा ही बहता दिखेगा।

यही वजह है कि अब इसको पर्यटन के लिहाज से और विकसित किया जा रहा है। यह पानी काफी ज्यादा ठंडा है, जिसको तिब्बती लोग पीते भी थे। कहा जाता है कि पानी ठंडा तो है ही, लेकिन बेहद स्वादिष्ट पानी है। इसके सामने फिल्टर वाला पानी भी फेल नजर आता है। अब इस पातालतोड़ कुआं के आसपास लोग बस गए, जो आजकल इस पाताल तोड़कुआं के पानी का अपने रोजमर्रा के जीवन में उपयोग कर रहे हैं। यही वजह है कि यहां रहने वाले लोगों को पानी के लिए बोर की आवश्यकता नहीं पड़ती। धीरे-धीरे जब इस पाताल तोड़ कुआं को लोग जानने लगे,तो इसे अब दर्शनीय स्थल के रूप में देखा जा रहा है और विकसित करने का प्लान किया जा रहा है।

तेलंगाना में रमजान पर छुट्टी को लेकर सियासत

कर्मचारियों को मिलेगा एक घंटे पहले अवकाश

» मुख्य सचिव के आदेश पर राजनीति शुरू

» बीजेपी बोली- नवरात्र में भी मिले छुट्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार ने पवित्र रमजान के लिए मुस्लिम कर्मचारियों को एक घंटे पहले ऑफिस से निकलने की इजाजत दी है। तेलंगाना की मुख्य सचिव शांति कुमारी ने एक आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक तेलंगाना में मुस्लिम कर्मचारियों को रमजान के महीने के दौरान आफिस से एक घंटे पहले निकलने की छूट दी है। सरकार के इस फैसले पर सियासत शुरू हो गई है। भाजपा ने सवाल उठाया है कि यदि रमजान में छूट मिल सकती है तो फिर नवरात्र में क्यों नहीं।

बीजेपी नेता तरुण चुघ ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के अंदर सिर्फ तुष्टिकरण भरा हुआ है। भाजपा नेता तरुण चुघ ने कहा है कि कांग्रेस में तुष्टिकरण और वोटबैंक की राजनीति भरी हुई है। मैं सीएम रेवंत रेड्डी से पूछना चाहता हूं कि वह नवरात्र, गणेश पूजन, शिवरात्रि और बुद्ध पूर्णिमा क्यों भूल जाते हैं। वह सिर्फ वोटबैंक और तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे हैं।

तेलंगाना की मुख्य सचिव शांति कुमारी ने एक आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक, तेलंगाना में मुस्लिम कर्मचारियों को रमजान के महीने के दौरान एक घंटे पहले निकलने की छूट होगी। यह छूट 2 मार्च से 31 मार्च 2025 तक लागू रहेगी। सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ यह आदेश कॉन्ट्रैक्ट, आउटसोर्सिंग, बोर्ड और पब्लिक सेक्टर के मुस्लिम कर्मचारियों पर भी लागू होगा।

इन लोगों पर भी लागू होगी यह छूट

सभी धर्मों के लिए ऐसी व्यवस्था हो: कांग्रेस

छत्तीसगढ़ के पूर्व डिप्टी सीएम और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता टी.एस. सिंहदेव ने कहा है कि इस आदेश में कोई हर्ज नहीं है. सभी धर्म के जो प्रमुख त्योहार हैं, उन दिनों उस धर्म के मानने

वालों के लिए ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि वे अपने धर्म के पालन के लिए उपलब्ध हों। किसी एक धर्म के लिए ऐसा नहीं होना चाहिए, बल्कि सभी धर्मों के लिए ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए।

राजा सिंह ने उठाये सवाल

इससे पहले भाजपा विधायक राजा सिंह ने इस आदेश पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी की सरकार ने

मुस्लिम कर्मचारियों को रमजान के दौरान जल्दी छुट्टी देने की इजाजत तो दे दी लेकिन हिंदू त्योहारों को नजरअंदाज कर दिया है सभी के लिए समान अधिकार, या फिर कुछ नहीं।

राहुल गांधी गुरुवार को जा सकते हैं महाकुंभ

» लगाएंगे आस्था की डुबकी, संसदीय क्षेत्र रायबरेली के दौरे पर रहेंगे नेता प्रतिपक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुरुवार को महाकुंभ जा सकते हैं। कल राहुल गांधी अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के दौरे पर रहेंगे। रायबरेली से राहुल गांधी कांग्रेस के कुछ नेताओं के साथ महाकुंभ जाने पर विचार कर सकते हैं। हालांकि राहुल गांधी का कार्यक्रम अभी तय नहीं हुआ है लेकिन जानकारी के अनुसार इस पर कांग्रेस प्लान कर रही है।

महाकुंभ खत्म होने में अब सिर्फ 7 दिन बचे हैं। 26 फरवरी को शिवरात्रि के मौके पर महाकुंभ का समापन हो जाएगा। वहीं यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय आज महाकुंभ में संगम पर डुबकी लगायेंगे। अजय राय कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं के साथ सुबह प्रयागराज के लिए निकले हैं। प्रयागराज से पहले अजय राय नाव पर सवार होकर संगम की तरफ़ जाएंगे और स्नान करेंगे। बता दें महाकुंभ खत्म होने में अब सिर्फ 7 दिन बचे हैं। 26 फरवरी को शिवरात्रि के मौके पर महाकुंभ का समापन हो जाएगा। इसके बावजूद त्रिवेणी संगम में स्नान के लिए जिस तरह भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। हालात ये हैं कि महाकुंभ में सिर्फ 38 दिन के भीतर 55 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। संगम पर उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए लग रहा था कि महाकुंभ की अवधि बढ़ाई जा सकती है। लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार ने साफ शब्दों में कह दिया है कि महाकुंभ की अवधि किसी भी हालत में नहीं बढ़ाई जाएगी। इस बीच महाकुंभ आने वालों के चलते प्रयागराज और इसके आसपास के शहरों में भारी भीड़ है और ये भीड़ सिर्फ शहरों की सड़कों पर नहीं है। संगम में भी इतनी नावें हैं कि कई बार जाम जैसे हालात दिखने लगते हैं।

जान हथेली पर रखकर काम कर रहे नगर निगम के कर्मी

» अधिकारी को धमकाने वाला जियो का कॉर्डिनेटर जेई से माफी मांगने मार्ग प्रकाश विभाग पहुंचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। काम न करो तो नौकरी पर आफत, काम करो तो जान बचाने के लाले। जी हां कुछ ऐसा ही हो रहा है यूपी की राजधानी लखनऊ में। जहां गुंडा कल्चर इस कदर हावी है कि सरकारी कर्मचारियों को भी मौके पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। बता दें कैसरबाग में नगर निगम के अफसरों को अवैध रूप से लगे केबल वायर को हटाने के दौरान जिओ कंपनी के पदाधिकारी द्वारा जेई को जान से मारने की धमकी दी गई है।

ज्यादतार आग इसी केबलिंग के चलते लगती है। कैसरबाग में केबिल को हटाते वक्त जियो

कंपनी के एक अधिकारी का फोन पर कर जेई से कहता है कि यदि केबिल को हाथ लगाया तो जान से हाथ धोओगे। जेई ने इस बात की शिकायत पुलिस में की है। बात बढ़ने के बाद मनोज गोयल रिलायंस कॉर्डिनेटर कदर मार्ग प्रकाश के कार्यालय पहुंचकर जेई सूर्य विक्रम सिंह से मांगी माफी। जेई सूर्य का कहना है पहले हम अपने उच्च अधिकारियों से बात करेंगे उनका जो निर्णय होगा वहीं हम लोगों का होगा।

जहरीले कचरे पर फंसी मप्र सरकार

» सुप्रीम कोर्ट को अब देना होगा जवाब

» पीथमपुर के निवासी किसी भी कीमत पर नहीं हैं तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। भोपाल गैस त्रासदी के बाद से बंद पड़ी यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के कचरे के पीथमपुर में निष्पादन पर विवाद बढ़ गया है। जबलपुर हाई कोर्ट ने सरकार को इस कचरे के निष्पादन के लिए ट्रायल की अनुमति दे दी थी, लेकिन पीथमपुर के निवासी इस फैसले से सहमत नहीं थे। याचिकाकर्ता संदीप रघुवंशी का कहना है कि इस प्रक्रिया से पीथमपुर के लिए जोखिम बढ़ सकता है और इसे विनाश की ओर ले जा सकता है। रघुवंशी ने बताया कि उन्होंने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दायर की है, और उन्हें उम्मीद है कि शीर्ष अदालत इस मुद्दे पर ट्रायल रन पर रोक लगाएगी।

उनका कहना है कि यूनियन कार्बाइड का जहरीला कचरा पीथमपुर में लाकर उसे निष्पादित करना बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि हमने याचिका दायर की है न्यायालय ने हमें सुना और अगली तारीख तय की है, जिसमें इस पर निर्णय हो सकता है। हम सुप्रीम कोर्ट भी गए हैं, जहां से मध्य प्रदेश सरकार, केंद्र सरकार और मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को नोटिस जारी किया गया है।

भारी नुकसान की संभावना

पीथमपुर के निवासियों का आरोप है कि इस कचरे के निष्पादन से इलाके में प्रदूषण बढ़ सकता है, जिससे स्थानीय लोगों की स्वास्थ्य समस्याएं और बढ़ सकती हैं। कुछ स्थानीय कंपनियां भी इस मुद्दे पर विरोध जता रही हैं और कचरे के निष्पादन के खिलाफ हैं।

हाईकोर्ट ने साइट को साफ करने के दिये थे आदेश

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने पिछले साल दिसंबर में जहरीले कचरे को न हटाने को दुखद बताते हुए, साइट को तुरंत साफ करने और कचरे के सुरक्षित निपटान के आदेश दिए थे। इसके साथ ही, 6 जनवरी के आदेश में पीथमपुर संयंत्र में कचरा निपटान के बारे में मीडिया को गलत सूचना प्रकाशित करने से रोका गया था याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत ने दलील दी कि हाई कोर्ट ने आदेश जारी करने से पहले कोई एडवाइजरी नहीं दी, जबकि यह खतरनाक रासायनिक कचरा है। राज्य सरकार के हलफनामे के अनुसार, पीथमपुर के आसपास लोगों की बस्तियां हैं, जो जहरीले कचरे को जलाने से निकलने वाली गैसों से प्रभावित हो सकते हैं। तारापुरा गांव के निवासियों को स्थानांतरित नहीं किया जा रहा है। निकटवर्ती नदी के पानी में प्रदूषण फैलने का भी खतरा है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए विनाशकारी हो सकता है।

डब्ल्यूपीएल: मुंबई की गुजरात पर पांचवीं जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वडोदरा। नैट सिवर ब्रंट की अर्धशतकीय पारी की बदौलत मुंबई इंडियंस ने गुजरात जायंट्स को पांच विकेट से हरा दिया। मंगलवार को वडोदरा के कोतांबी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात 20 ओवर में 10 विकेट खोकर सिर्फ 120 रन ही बना सकी थी। जवाब में मुंबई ने 16.1 ओवर में पांच विकेट पर 122 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। महिला प्रीमियर लीग के तीसरे संस्करण में यह हरमनप्रीत कौर की टीम की पहली जीत है। इससे पहले उन्हें दिल्ली कैपिटल्स ने दो विकेट से मात दी थी।

इस टूर्नामेंट में यह मुंबई इंडियंस की दिल्ली कैपिटल्स पर पांचवीं जीत है और सभी मैच टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए ही अपने नाम किए हैं। इस जीत के साथ मुंबई की टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। जबकि गुजरात जायंट्स तीन मैचों में एक जीत और दो शिकस्त के साथ तीसरे पायदान पर पहुंच गई है। फिलहाल शीर्ष पर स्मृति मंधाना की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु है, चौथे और पांचवें पायदान पर क्रमशः दिल्ली और यूपी वॉरियर्स हैं। गुजरात के खिलाफ 55 के स्कोर पर तीन विकेट खो चुकी मुंबई के लिए नैट सिवर ब्रंट संकटमोचक साबित हुईं। उन्होंने 39 गेंदों में 11 चौकों की मदद से 57 रन बनाए। उनकी इस पारी ने जीत की नींव रखी।

गुजरात जायंट्स को पांच विकेट से हराया

विवाद के बाद पीसीबी ने कराची स्टेडियम में लहराया भारत का तिरंगा

कराची। चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट के शुरू होने से पहले एक बड़ा विवाद सामने आया था। पीसीबी ने कराची स्टेडियम में भारत का झंडा नहीं लगाया था। इसको लेकर सोशल मीडिया पर फैंस का आक्रोश फूट पड़ा था और लोगों का मानना था कि भले ही भारत वहां खेलने न गया हो, लेकिन नियम के तहत मेजबान देश को अपने स्टेडियम में आठों टीमों के झंडे लगाने थे। सोशल मीडिया पर कराची स्टेडियम का वीडियो वायरल हो गया था। हालांकि, सोशल मीडिया पर कुछ नई तस्वीरें सामने आई हैं जिसमें बताया गया है कि कराची के स्टेडियम में भारतीय तिरंगे को लगाया गया है। सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी फैंस ने भी अपने स्टेडियमों में भारतीय ध्वज फहराने से इनकार करने के पाकिस्तान के फैसले की आलोचना की थी। पीसीबी ने विवाद को खारिज करते हुए कहा था कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए सिर्फ पाकिस्तान में खेलने वाले देशों के झंडे स्टेडियमों में लगाए गए हैं।

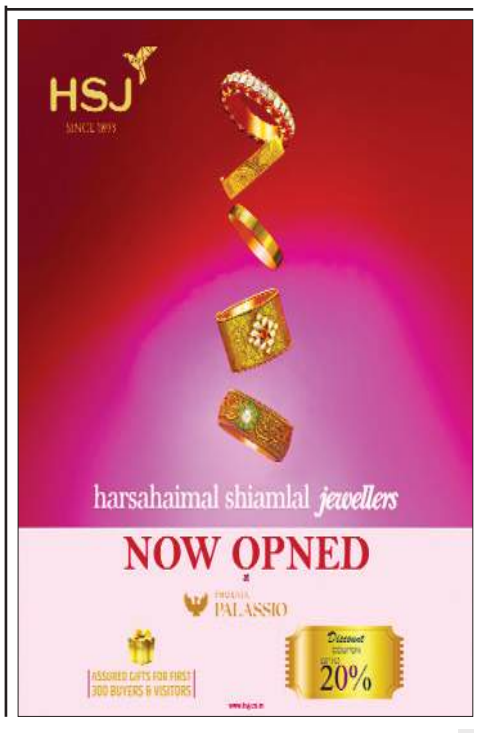

ममता बनर्जी के मृत्यु कुंभ वाले बयान पर घमासान

» अखिलेश का समर्थन, यूपी सरकार से पूछे कई सवाल

» भाजपा ने भी विपक्ष पर किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के मृत्यु कुंभ वाले बयान पर घमासान मच गया है। जहां सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उनका समर्थन किया है तो भाजपा ने पलटवार करते हुए इसे हिंदुओं का अपमान बताया है। पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने सही कहा। उनके राज्य के लोगों की भी जान गई है, बंगाल और दूसरे राज्यों से आए लोगों की बड़ी संख्या में मौत हुई है।

एफआईआर भी दर्ज नहीं हो रही है। महाकुंभ का आयोजन क्यों किया गया? सदियों से श्रद्धालु आते रहे हैं, कुंभ तो प्राचीन काल से चला आ रहा है। व्यवस्थाएं बनाने की जिम्मेदारी किसकी थी? जब सीएम ने कहा कि 100 करोड़ लोगों के लिए व्यवस्था की गई है, तो लोगों का भरोसा बढ़ा। जब उन्होंने मशहूर हस्तियों और अन्य नामचीन हस्तियों को बुलाया, तो लोगों को भरोसा हुआ कि व्यवस्थाएं अच्छी होंगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ...भाजपा जनता की भावनाओं का फायदा उठा रही है, इसी कुंभ में सबसे ज्यादा गुमशुदगी के मामले सामने आए, इसी कुंभ में सबसे ज्यादा लोग बीमार हुए।

यह करोड़ों हिंदुओं का अपमान है : केशव मौर्य

उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यह करोड़ों हिंदुओं का अपमान है। यह उन लोगों का अनादर है जो भारतीय संस्कृति में आस्था रखते हैं। उन्होंने (ममता बनर्जी) महाकुंभ को मृत्यु कुंभ कहकर खुद ही टीएमसी के खात्मे का संदेश दे दिया है। बीजेपी और देश की जनता उन लोगों को जवाब देगी जो हिंदुओं, महाकुंभ का अपमान करेंगे और तुष्टिकरण की राजनीति करेंगे।

ममता बनर्जी ने हमेशा हिंदुओं के खिलाफ की है बात : सरकार

भाजपा सांसद और पश्चिम बंगाल भाजपा के उपाध्यक्ष जगन्नाथ सरकार ने कहा कि ममता बनर्जी ने हमेशा हिंदुओं के खिलाफ बात की है, उनका इरादा पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश में बदलने का है। वह प्रधानमंत्री बनने के लिए यह सब कर रही हैं, उन्होंने पश्चिम बंगाल को मृत्यु कुंभ में बदल दिया है। महाकुंभ एक पवित्र स्थल है, व्यवस्थाएं वास्तव में अच्छी हैं। अचानक घटना हुई लेकिन उन्होंने चुनाव से पहले लोगों को भड़काने के लिए ऐसा कहा।

केजरीवाल के पंजाब का सीएम बनने की बात अफवाह: भगवंत

» सीएम बोले- इन बातों में कोई सच्चाई नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मानसा (पंजाब)। दिल्ली चुनाव के बाद पंजाब में चल रहे नेतृत्व परिवर्तन के कयासों के बीच पहली बार मुख्यमंत्री भगवंत मान ने चुप्पी तोड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अरविंद केजरीवाल पंजाब के मुख्यमंत्री नहीं बनने जा रहे हैं।

ये अफवाह फैलाई जा रही हैं, जो निराधार हैं। इनमें कोई सच्चाई नहीं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि अमेरिका से डिपोर्ट होकर आए पंजाबियों को पंजाब सरकार कुछ समय पहले विदेशों से आकर पंजाब में रोजगार कर रहे युवाओं से मिलवाएगी, ताकि वे निराश होकर घर न बैठें और खुद को ताकतवर बनाएं। इसके साथ ये युवा राज्य सरकार द्वारा निकाली विभिन्न विभागों की पोस्टों के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। प्रदेश सरकार इन नौजवानों का सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने अमेरिका से डिपोर्ट कर भेजे युवाओं का विमान पंजाब में उतारने का विरोध जताया है। उम्मीद है कि अगली बार आने वाला विमान अब पंजाब में नहीं उतरेगा।मुख्यमंत्री के तहसील के कामकाज का निरीक्षण में कई कमियां मिलीं। उन्होंने कहा कि वे छापा मारने नहीं आए। वे पंजाब के विभिन्न शहरों में जाकर सरकारी कामकाज की कमियां ढूंढ रहे हैं, ताकि उन्हें जल्द दूर किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि एक-दो दिन में सरदूलगढ़ को पक्का तहसीलदार दे दिया जाएगा। मुख्यमंत्री मान ने कहा कि पंजाब में भ्रष्टाचार खत्म करने व सरकारी कामकाज को दुरुस्त करने के लिए वे पंजाब के विभिन्न शहरों में जा रहे हैं। धीरे-धीरे कमियां दूर की जा रही हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ सरदूलगढ़ विधायक गुरप्रीत सिंह बनांवाली, मानसा के विधायक डॉ. विजय सिंगला, बुढलाडा के विधायक बुधराम, डीसी कुलवंत सिंह, एसएसपी भगीरथ सिंह मीना भी मौजूद रहे।

महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के कार्यों में वृद्धि हो: दिग्विजय सिंह

» कांग्रेस नेता ने शिवराज सिंह चौहान को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान को एक पत्र लिखकर मध्यप्रदेश में महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के तहत 266 कार्यों को करने की मांग की है। इस पत्र में उल्लेख किया गया है कि भारत सरकार ने वर्ष 2023 में मध्यप्रदेश में महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के तहत 266 कार्य करने के निर्देश दिए थे, लेकिन मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने केवल 24 कार्यों को ही मंजूरी दी है।

दिग्विजय सिंह ने कहा है कि इस योजना के तहत केवल 24 कार्यों को मंजूरी देने से ग्रामीण क्षेत्रों के विकास पर दुष्प्रभाव पड़ेगा और ग्रामीण क्षेत्र के मजदूरों को पर्याप्त मात्रा में मजदूरी नहीं मिलेगी, जिससे उन्हें पलायन करने को मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के तहत कार्यों को करने से ग्रामीण क्षेत्रों का विकास होगा और ग्रामीण क्षेत्रों के मजदूरों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने आगे कहा कि महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के तहत कार्यों को करने से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा होते हैं और ग्रामीण क्षेत्रों का विकास होता है।

कांग्रेस के लिए दलहित से ऊपर जनहित: जूली

» नेता प्रतिपक्ष ने विधान सभा गतिरोध पर भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान विधान सभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सर्वदलीय बैठक के बाद बयान जारी कर बताया कि कांग्रेस ने हमेशा जनहित को दलहित से ऊपर रखा है। उन्होंने कहा कि विधान सभा सत्र शुरू होने से पहले भी हमने बैठक में कांग्रेस का रुख स्पष्ट करते हुए कहा था कि जनहित को देखते हुए सदन को चलाने में सरकार का पूर्ण सहयोग करेंगे।

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के दौरान कांग्रेस विधायक दल ने सकरात्मक रुख अख्तियार करते हुए अभिभाषण के दौरान किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न नहीं किया। लेकिन यह दुखद रहा कि सरकार पक्ष के कुछ मंत्री और सदस्य खुद व्यवधान का कारण बनते रहे। प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने बताया कि प्रदेश में सरकार के मंत्री द्वारा सरकार पर उनके फोन टैपिंग जैसे गम्भीर विषय पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए इस विषय पर सरकार द्वारा जवाब दिये जाने के लिये आसन के माध्यम से कई बार निवेदन किया। इसके उपरांत भी सरकार ने हठधर्मिता को अपनाते हुए प्रतिपक्ष की आवाज को संख्या और सत्ता बल पर दबाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि सरकार के कुछ मंत्री यह नहीं चाहते थे कि मुख्यमंत्री का जवाब निर्विध हो ताकि नेता प्रतिपक्ष को भी नहीं बोलने दिया।

स्वयं गतिरोध पैदा करना चाहती है प्रदेश सरकार

प्रतिपक्ष के नेता जूली ने बताया कि सदन में पैदा किया गतिरोध सरकार की सोची-समझी साजिश का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि सदन को चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है और प्रतिपक्ष सदन को चलाने में सहयोग कर रहा हो तो सरकार को गतिरोध को तोड़ने के लिये गम्भीरतापूर्वक सकारात्मक प्रयास करने चाहिए थे, लेकिन सरकार तो स्वयं गतिरोध पैदा करना चाहती थी। तभी सरकार के गृह राज्य मंत्री मीडिया के सामने आकर तो अपना पक्ष रखते हैं, लेकिन सदन में बयान नहीं देते। जूली ने कहा कि गृह राज्य मंत्री ने जो मीडिया में कहा, यदि वही बात सदन में कही गई होती तो विपक्ष भी अपनी आवाज को सदन में रख पाता, लेकिन सरकार ने संख्याबल के आधार पर प्रतिपक्ष की आवाज को कमजोर करने का काम किया, ताकि सरकार की विफलताओं पर पर्दा पडा रहे और नेता प्रतिपक्ष के माध्यम से गरीब की आवाज को सदन के माध्यम से सरकार तक नहीं पहुंचने दिया जाए।

बजट सत्र के दूसरे दिन भी घिरी यूपी सरकार

बेड़ियों के बाद गन्ना लेकर सपा विधायक अतुल प्रधान पहुंचे विधानसभा, सदन में सपा का हंगामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन सपा ने हंगामा किया। सत्र शुरू होने से पहले गन्ना लेकर सपा विधायक अतुल प्रधान विधानसभा पहुंचे। उनके हाथ में चौधरी चरण सिंह का फोटो हाथ में था।

इससे पहले बीते दिन सत्र के पहले दिन दिन सपा विधायक अतुल प्रधान हाथ-पैरों में जंजीरें पहन कर विधानसभा पहुंचे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी कीजबकि सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा 'नैतिकता का अस्थि कलश' लेकर आए। यह विधायक अपनी पार्टी के अन्य सदस्यों संग सुबह सवा दस बजे विधानभवन के मुख्य द्वार के बाहर चौधरी चरण सिंह प्रतिमा के पास पहुंचे थे और विरोध प्रदर्शन किया था। उनका कहना था कि सरकार कुम्भ में हुई भगदड़ में मरने वालों की सही संख्या बताए लेकिन इसे छुपाया जा रहा है। वहीं यूपी बजट सत्र के दूसरे दिन सदन की कार्यवाही शुरू होते ही सपा हंगामा शुरू हो गया। सदस्य वेल में आकर नारेबाजी करते रहे।

भारतीय नागरिकों को 40 घंटा जंजीरों में जकड़कर रखा गया : अतुल प्रधान

अतुल प्रधान ने कहा कि सरकार दावा करती है कि दुनिया भर में देश का डंका बज रहा है। अमेरिका में हमारे भारतीय नागरिकों को 40 घंटा जंजीरों में जकड़कर रखा गया। अमेरिका से उन्हें बेरहमी से डिपोर्ट किया गया। अतुल प्रधान की टी शर्ट पर अमेरिका में हथकड़ी बेड़ी पहने जाते भारतीयों की फोटो छपी थी। उस पर लिखा था, भारतीयों का अपमान, नहीं सहेगा हिन्दुस्तानी।

बिहार में बढ़ते अपराध पर चुप्पी साधे हुए हैं मुख्यमंत्री: तेजस्वी

» कहा- भाजपाइयों को आरक्षण और पिछड़ों से कोई लेना देना नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। तेजस्वी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि यह लोग महापुरुषों का अपमान करते हैं। बाबा साहेब को इनलोगों ने गाली देने का काम किया। कर्पूरी ठाकुर जी को कितने सालों बाद भारत रत्न दिया गया। यही लोग थे जो कर्पूरी जी के खिलाफ गंदे-गंदे नारेबाजी करते थे। यह लोग आरएसएस के स्कूल में पढ़े लिखे हैं। इन लोगों को आरक्षण और पिछड़ों से कोई लेना देना नहीं है।

वहीं पटना में गोलीबारी पर तेजस्वी यादव ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसा कोई दिन नहीं है जब अपराध नहीं हो। क्राइम लगातार बढ़ता जा रहा है। थाने में लोगों की मौतें हो रही हैं। इसका कोई जवाब नहीं दे रहा। मुख्यमंत्री चुप्पी साधे हुए हैं। उन्हें कोई लेना देना नहीं है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।